



No. of Printed Pages : 4

2017

**QCA/BC : ATUWS-51**

**सामान्य हिन्दी**

**GENERAL HINDI**

निर्धारित समय : तीन घंटे]

[अधिकतम अंक : 150

Time allowed : Three Hours]

[Maximum Marks : 150

नोट : (i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

(ii) प्रत्येक प्रश्न के लिए निर्धारित अंक उनके समक्ष अंकित हैं ।

(iii) पत्र, प्रार्थना-पत्र या किसी अन्य प्रश्न के उत्तर के साथ स्वयं अथवा अन्य का नाम, पता एवं अनुक्रमांक आदि न लिखें । आवश्यक होने पर क, ख, ग लिख सकते हैं ।

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

भारतीय मनीषा ने कला, धर्म, दर्शन और साहित्य के क्षेत्र में नाना भाव से महत्त्वपूर्ण फल पाये हैं और भविष्य में भी महत्त्वपूर्ण फल पाने की योग्यता का परिचय वह दे चुकी है, परंतु नाना कारणों से समूची जनता एक ही धरातल पर नहीं है और सबका मुख भी एक ही ओर नहीं है । जल्दी में कोई फल पा लेने की आशा से अटकलपच्चू सिद्धांत कायम कर लेना! और उसके आधार पर कार्यक्रम बनाना अभीष्ट सिद्धि में सब समय सहायक नहीं होगा । विकास की नाना सीढ़ियों पर खड़ी जनता के लिए नाना प्रकार के कार्यक्रम आवश्यक होंगे । उद्देश्य की एकता ही इन विविध कार्यक्रमों में एकता ला सकती है, परंतु इतना निश्चित है कि जब तक हमारे सामने उद्देश्य स्पष्ट नहीं हो जाता, तब तक कोई भी कार्य कितनी भी व्यापक शुभेच्छा के साथ क्यों न आरंभ किया जाए, वह फलदायक नहीं होगा । बहुत-से लोग हिंदू-मुस्लिम एकता को या हिंदू-संघटन को ही लक्ष्य मानकर उपाय सोचने लगते हैं । वस्तुतः हिंदू-मुस्लिम एकता भी साधन है, साध्य नहीं । साध्य है पशु-सामान्य स्वार्थी धरातल से ऊपर उठाकर 'मनुष्यता' के आसन पर बैठाना ।<sup>2</sup>

(क) समूची जनता को समान धरातल पर खड़ा करना किस प्रकार संभव है ?

10

(ख) प्रथम रेखांकित अंश का क्या आशय है ?

5

(ग) द्वितीय रेखांकित अंश का विशदीकरण कीजिए ।

10

(घ) हिंदू-मुस्लिम एकता को लेखक ने 'साध्य' न कहकर 'साधन' क्यों कहा है ?

5



2. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर निर्देशानुसार उत्तर लिखिए :

शारीरिक श्रम से मनुष्य को संतोष तो मिलता ही है, उसका शरीर भी स्वस्थ रहता है। श्रम से उसकी मांसपेशियाँ सुदृढ़ हो जाती हैं। जो लोग श्रम नहीं करते, आलसी बने पड़े रहते हैं; उनका तो भोजन भी नहीं पचता और उनके शरीर को अनेक व्याधियाँ घेरे रहती हैं। शारीरिक श्रम हर एक व्यक्ति के लिए आवश्यक है। शारीरिक श्रम करने वाले लोग दीर्घजीवी होते हैं। शारीरिक श्रम के साथ-साथ मानसिक श्रम करने वाले का ही बौद्धिक विकास होता है। वह गंभीर से गंभीर तथ्य सहज ही ग्रहण कर लेता है। विषम परिस्थितियाँ उत्पन्न हो जाने पर भी घबराता नहीं, बल्कि साहस से उनका सामना कर लेता है। वह हर एक समस्या का आसानी से समाधान कर लेता है। मानसिक श्रम के महत्त्व को समझकर हमारे ऋषि-मुनि चिंतन में लीन रहते थे और उसके लिए लोगों को उत्साहित करते थे। हमारा उपनिषद् साहित्य हमारे मानसिक श्रम का ही परिणाम है।

(क) उपरिलिखित गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक लिखिए।

5

(ख) उपरिलिखित गद्यांश के आधार पर श्रम का महत्त्व स्पष्ट कीजिए।

5

(ग) उपरिलिखित गद्यांश का संक्षेपण कीजिए।

20

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(क) अर्ध सरकारी पत्र किसे कहते हैं ? सोदाहरण समझाइए।

10

(ख) भारतीय निर्वाचन आयोग की ओर से लोकसभा चुनाव हेतु अधिसूचना का प्रारूप प्रस्तुत कीजिए।

10

4. निम्नलिखित उपसर्गों/प्रत्ययों से एक-एक शब्द की रचना कीजिए :

10

अक, मान, इम, चित्, इया, परा, अपि, सम्, दुर, अध

5. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए :

10

अभिज्ञ, अपसरण, बाह्य, ज्येष्ठ, स्थावर, धृष्ट, निषिद्ध, गौरव, परोक्ष, हास

6. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध कीजिए :

10

(i) रमा पढ़ती-पढ़ती सो गयी।

(ii) सिवाय आपको छोड़कर सभी आये थे।

(iii) शिवा और उमा आज मेरे घर आएगा।

(iv) मुझे केवल सौ रुपये मात्र मिले।

(v) गुप्तकालीन समय में सभी लोग सुखी थे।



7. निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक-एक शब्द लिखिए :

10

- (i) क्षण भर में नष्ट हो जाने वाला
- (ii) जो शब्दों द्वारा व्यक्त न किया जा सके
- (iii) पैर से लेकर सिर तक
- (iv) किसी पर विजय पाने की इच्छा रखने वाला
- (v) मध्यरात्रि का समय

8. निम्नलिखित मुहावरों/लोकोक्तियों के अर्थ लिखकर अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए :

30

- (i) गोटी बैठाना
- (ii) घाट-घाट का पानी पीना
- (iii) छठी का दूध याद आना
- (iv) छाती पर साँप लोटना
- (v) तिल का ताड़ बनाना
- (vi) पगड़ी उछालना
- (vii) साँप सूँघ जाना
- (viii) मेढकी को जुकाम होना
- (ix) आधा तीतर, आधा बटेर
- (x) नक्कारखाने में तूती की आवाज